Chapter- 10

परीक्षा

STUDY NOTES

MIND MAP

पाठ प्रवेश

- सुजानसिंह जो परीक्षा कहानी के मुख्य पात्र हैं। वे अच्छे दीवान की खोज में हैं। इसके लिए वे विज्ञापन देते हैं। बहुत सारे लोग पद पाने की चाह में आते हैं। नाटकीयता से वे अपने असली रूप को छिपाकर एक अच्छा नागरिक होने का नाटक रचाते हैं। एक दिन सब हॉकी खेलने निकलते हैं, शाम के समय वापस आते हुए एक किसान को देखते हैं, उसकी गाड़ी नाले में फँसी होती है। कोई भी उसकी मदद करने को तैयार नहीं होता है, लेकिन एक व्यक्ति खुद थका होने पर भी उसकी मदद के लिए आगे आता है और नाले से गाड़ी बाहर लाने में मदद करता है। यह सब सुजानसिंह द्वारा ली गई परीक्षा का अंग होता है। अंत में उसी व्यक्ति को दीवानी प्रदान की जाती है, क्योंकि वह खुद थ का हारा होने के बावजूद दूसरे की मदद करता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

पाठ सार

- देवगढ़ की रियासत के दीवान सुजानसिंह ने राजा से बुढ़ापे के कारण अपने पद से त्याग देने का प्रस्ताव राजा
- के सामने रखा । राजा , सुजान सिंह को बहुत नीति कुशल मानते थे अतः उन्होने नया दीवान चुनने की
- ज़िम्मेदारी भी सुजान सिंह को दे दी। अखबार मे नए योग्य दीवान के लिए विज्ञापन दिया गया कि एक महीने

- तक उम्मीदवारों को परखा जाएगा और जो उम्मीदवार इस परीक्षा मे खरा उतरेगा वही नया दीवान होगा।
- विभिन्न राज्यों से सेकड़ों तरह तरह के लोग ,इस पद के लिए देवगढ़ पहुँचने लगे। सुजान सिंह ने इन सभी
- का आदर सत्कार का अच्छा प्रबंध किया था।
- हर व्यक्ति अपने आप को सर्वश्रेष्ठ दिखाने मे लग गया । जिस से बात करो वही सदाचार का पुजारी और
- नम्रता का देवता बन दिखाई देता था । लेकिन सुजान सिंह सभी को देख रहा था की इन बगुलो मे हंस खा
- छुपा है। एक दिन उम्मीदवारों ने हाकी का खेल खेलने का निश्चय किया । हाकी का खेल समाप्त होने के
- बाद जब सभी उम्मीदवार जा रहे थे तब रास्ते मे एक असहाय किसान जिसकी अनाज से लदी बैल गाड़ी नाले
- मे फंस गई थी ,वहाँ खड़ा हुआ था। सभी उम्मीदवार वहाँ से गुजर रहे थे परंतु किसी ने भी उस किसान की
- मदद की। तभी एक जख्मी उम्मीदवार उस किसान के पास आया। उसने किसान की गाड़ी निकालने मे मदद की ।
- एक महीने की परीक्षा के बाद जब परिणाम के दिन ,सुजान सिह ने उसी उम्मीदवार को चुना जिसने असहाय
- किसान की मदद की और कहा कि हमे ऐसे ही वीर ,साहसी और परोपकारी दीवान की जरूरत थी।